हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

7 RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

वर्ष:4 अंक:237 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, सोमवार, 01 सितंबर 2025

उत्तराखंड में तीन दिनों तक बारिश का रेड और ऑरेंज अलर्ट, आपदा प्रबंधन विभाग सतर्क

पथ प्रवाह

प्रदेश में अगले तीन दिनों तक भारी से बहुत भारी वर्षा की आशंका के बीच मौसम विभाग ने रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसे गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को शासन और जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार हो रही बारिश ने राज्य के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है और आने वाले कुछ दिन और कठिन हो सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। भूस्खलन की आशंका वाले मार्गों पर विशेष निगरानी, मैदानी क्षेत्रों में जलभराव से बचाव और राहत-बचाव कार्यों को युद्धस्तर पर चलाने के निर्देश दिए गए।

सीएम धामी ने कहा कि ÷आपदा की इस कठिन घड़ी में राज्य सरकार केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रभावित परिवारों की भावनाओं और संवेदनाओं से भी जुड़ी हुई है। अधिकारी जनता के दुख को अपना दुख मानकर पुनर्वास और सामान्य जीवन बहाल करने के लिए पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें।÷

बैठक में सचिव गृह शैलेश बगौली, सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन सहित आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे, जबकि प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव लोनिवि पंकज कुमार पांडेय, सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार और दोनों मंडलायुक्त वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

तमक में बैली ब्रिज निर्माण पर जोर

ज्योतिर्मठ-मलारी राष्ट्रीय राजमार्ग पर तमक नाले में बहा पुल सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया गया। मुख्यमंत्री ने बीआरओ को जल्द से जल्द बैली ब्रिज बनाने के निर्देश दिए और कहा कि राज्य सरकार से हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

गंगोत्री हाइवे को सुरक्षित बनाने के निर्देश

चारधाम यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने गंगोत्री हाईवे की मरम्मत और मजबूती पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बरसात खत्म होते ही सड़कों के पेचवर्क और नई सड़क निर्माण का कार्य शुरू करने तथा टेंडर की औपचारिकताएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए।

हर्षिल और स्यानाचट्टी में रिवर चैनलाइजेशन

मुख्यमंत्री ने उत्तरकाशी के हर्षिल और स्यानाचट्टी क्षेत्रों में बनी झीलों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने जलस्तर पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने, राहत दलों की तैनाती और मलबा हटाने के साथ सुरक्षित स्थानों पर डंपिंग साइट बनाने के निर्देश दिए।

नदियों के जलस्तर पर 24 घंटे निगरानी

सीएम धामी ने कहा कि पहाड़ी और मैदानी इलाकों में नदियों के जलस्तर पर दिन-रात नजर रखी जाए और किसी भी खतरे की स्थिति में तुरंत लोगों को सतर्क किया जाए।

रेड अलर्ट - 1 सितंबर को देहरादून, टिहरी, पौड़ी और हरिद्वार में

मौसम विभाग ने 1 सितंबर को देहरादून, टिहरी, पौड़ी और हरिद्वार में अत्यंत भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है (रेड अलर्ट)। इसके अलावा अन्य जिलों में भी भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना जताई गई है (ऑरेंज अलर्ट)। वहीं, 2 सितंबर को देहरादून, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली और बागेश्वर जिलों में भारी वर्षा की संभावना जताई गई है।

परस्पर विश्वास और सम्मान के आधार पर चीन के साथ संबंध आगे बढाने को प्रतिबद्ध है भारत: मोदी

तियांजिन/नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को यहां चीन से साफ शब्दों में कहा कि भारत परस्पर विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर चीन के साथ संबंधों को आगे बढाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सात वर्ष से भी अधिक समय के बाद चीन यात्रा पर गये श्री मोदी ने सुबह यहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान अपने वक्तव्य में कहा कि उनकी शी जिनपिंग के साथ कजान में वार्ता के बाद से दोनों देशों के संबंधों को सकारात्मक दिशा मिली है और सीमा पर शांति तथा स्थिरता का माहोल बना है।

श्री मोदी ने कहा, ÷ पिछले वर्ष कजान में हमारी बहुत ही सार्थक चर्चा हुई थी जिससे हमारे संबंधों को सकारात्मक दिशा मिली। सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत परस्पर विश्वास , सम्मान और विश्वसनीयता के आधार पर संबंध आगे बढाने का इच्छुक है। उन्होंने कहा, ÷ हम परस्पर विश्वास , सम्मान और विश्वसनीयता के आधार पर संबंध आगे बढाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों से देश के 2.8 अरब लोगों के हित तथा मानवता का कल्याण जुड़ा है। श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों के बीच सीमा प्रबंधन के बारे में सहमति बनी है। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हुई है और दोनों देशों के बीच सीधी उडान सेवा फिर से शुरू की जा रही है। उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग को एससीओ की सफलता के लिए भी शुभकामनाएं और बधाई दी। उल्लेखनीय है कि श्री मोदी शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्रप्रमुखों की 25 वीं बैठक में हिस्सा लेने के लिए चीन के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर चीन गये हैं। उनकी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तथा अन्य वैश्विक नेताओं के साथ भी द्विपक्षीय वार्ता करने की संभावना है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आपदा प्रभावित क्षेत्रों को लेकर संजीदा

जनता को राहत पहुंचाने का कार्य जारी

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व और सतत निगरानी में प्रदेश में आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। भारी बारिश व मलबा आने से प्रदेश में कुल 1827 स्थानों पर सड़कें बाधित हुई थीं। इनमें से 1747 सड़कों को खोला जा चुका है, जबकि 80 सड़कों पर कार्यवाही गतिमान है। इस प्रकार मलबे और भू स्खलन से बंद हुई अब तक 95.62% सड़कों पर यातायात बहाल किया जा चुका है। जहाँ-जहाँ मलबा आने की संभावना थी, वहाँ पहले से ही जेसीबी और आवश्यक संसाधनों की तैनाती की गई थी। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे कि सड़क बंद होने की स्थिति में तत्काल कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जाए। परिणामस्वरूप प्रभावित क्षेत्रों में सड़कें तेज़ी से खोली जा रही हैं और लोगों को राहत मिल रही है। ज्ञातव्य है कि इस वर्ष प्रदेश में पिछले कई वर्षों की तुलना में अधिक बारिश हो रही है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री श्री धामी स्वयं लगातार आपदा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं और राहत व बचाव कार्यों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सरकार लगातार सक्रिय है और हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए सड़क, बिजली, पानी और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बहाल करने की निरंतर निगरानी की जा रही है। सभी विभाग समन्वय बनाकर त्वरित राहत व बचाव कार्य कर रहे हैं।

देशवासियों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं, लोकल फ़ॉर वोकल का रखें ध्यान : मोदी

नयी दिल्ली।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गणेश चतुर्थी पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि इन उत्सवों पर %वोकल फ़ॉर लोकल% का ध्यान रखते हुए आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद को और मजबूत बनाना है। मोदी ने रविवार को मन की बात' की 125वीं कड़ी के प्रसारण में कहा कि इस समय देश-भर में 'गणेश उत्सव' की धूम है। आने वाले दिनों में बहुत सारे त्योहारों की रौनक होगी।

उन्होंने त्योहारों के अवसर पर देशवासियों से अपील करते हुए कहा इन त्योहारों में आपको स्वदेशी की बात कभी भी भूलनी नहीं है। उपहार वही जो भारत में बना हो, पहनावा वही जो भारत में बुना हो, सजावट वही जो भारत में बने सामान से हो, रोशनी वही जो भारत में बनी झालरों से हो - और भी ऐसा बहुत कुछ, जीवन की हर जरूरत में सब कुछ स्वदेशी हो। गर्व से कहो 'ये स्वदेशी है', गर्व से कहो 'ये स्वदेशी है', गर्व से कहो 'ये स्वदेशी है'। इस भाव को लेकर हमें आगे चलना है। एक ही मंत्र, 'वोकल फ़ॉर लोकल', एक ही रास्ता 'आत्मनिर्भर भारत', एक ही लक्ष्य 'विकसित भारत'।÷

प्रधानमंत्री ने खुशियों के पर्वों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की भी अपील की। उन्होंने कहा ÷इन खुशियों के बीच आप सभी स्वच्छता पर जोर देते रहें, क्योंकि जहां स्वच्छता है, वहां त्योहारों का आनंद भी और बढ़ जाता है। 'मन की बात' के लिए अपने संदेश भेजते रहिए।

पीएम मोदी व उनकी माताजी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर उत्तरकाशी में भाजपा का फूटा आक्रोश

विश्वनाथ चौक पर कांग्रेस का पुतला दहन, महिलाओं ने कहा मां के सम्मान के लिए आंदोलन जारी रहेगा

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माताजी के खिलाफ दरभंगा (बिहार) में मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान मंच से की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में उत्तरकाशी में भाजपा कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। रविवार को भाजपा जिला अध्यक्ष नागेंद्र चौहान के नेतृत्व में सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता विश्वनाथ चौक पर एकत्र हुए और कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। जिला अध्यक्ष नागेंद्र चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माताजी के लिए जिस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया है, उससे न केवल उत्तरकाशी बल्कि पूरा देश आहत है। उन्होंने कहा कि उत्तरकाशी की जनता मां के सम्मान पर कोई आंच नहीं आने देगी। यदि कांग्रेस ने शीघ्र माफी नहीं मांगी तो मात्र शक्ति के सम्मान में जन आंदोलन छेड़ा जाएगा। महिला

कार्यकर्ताओं ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि इस तरह की भाषा का प्रयोग केवल प्रधानमंत्री की माताजी के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे देश की माताओं और महिलाओं के खिलाफ अपमान है। उन्होंने चेताया कि मां के अपमान के विरोध में संघर्ष निरंतर जारी रहेगा और कांग्रेस को माफी मांगनी ही होगी। दायित्वधारी प्रताप सिंह पंवार ने कहा कि यह घटना पूरे देश को शर्मसार करने वाली है। भारत मां की धरती पर जहां मां को पूजनीय माना जाता है, वहां इस तरह की अमर्यादित टिप्पणी निंदनीय और असहनीय है। कांग्रेस को तत्काल सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

मौके पर जिला मीडिया प्रभारी ने भी कहा कि भाजपा कार्यकर्ता मां के सम्मान में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाते रहेंगे और कांग्रेस की इस घृणित राजनीति को जनता के बीच उजागर करेंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत के नवनियुक्त अध्यक्ष रमेश चौहान, विजय संतरी, जयवीर चौहान, पवन नौटियाल, खुशाल नेगी, हीरालाल शाह, हरीश डंगवाल, महावीर नेगी, राजीव बहुगुणा, जयप्रकाश भट्ट, सत्य सिंह राणा, विजय पाल मखलोग, बालशेखर, दीपक नौटियाल, देवेंद्र चौहान, ललिता सेमवाल, सुमानी राणा, सरिता पडियार, सबिता भट्ट, ममता भट्ट, बीना नौटियाल, सरिता नौटियाल, नंदा भट्ट, गौतम रावत, राममोहन और राजेंद्र सिंह गंगाड़ी सहित अनेक कार्यकर्ता और महिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

थराली आपदा पीड़ितों के लिए शांतिकुंज ने पहुँचाई राहत, 150 परिवारों को मिला सहारा

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

हरिद्वार/चमोली। चमोली जनपद के थराली क्षेत्र में हाल ही में आई भीषण प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों के बीच शांतिकुंज हरिद्वार ने मानवीय सहयोग का परिचय देते हुए राहत सामग्री का वितरण किया। आपदा प्रभावित 10 ग्रामों के 150 परिवारों को राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई। शांतिकुंज का यह सेवा दल अब राहत वितरण कर हरिद्वार लौट आया है। राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम थराली के उपजिलाधिकारी कार्यालय परिसर में आयोजित हुआ। स्थानीय प्रशासन के सहयोग से चले इस अभियान में प्रत्येक परिवार को एक संपूर्ण राहत किट प्रदान की गई। किट में 10 किलो चावल, 10 किलो आटा, 3 किलो दाल, 3 किलो चीनी, चायपत्ती, 2 किलो पोहा, मसाले, 3 पैकेट सूखा नाश्ता, दूध पाउडर, एक कंबल तथा थाली, गिलास समेत पूरा बर्तन सेट शामिल था।

अखिल विश्व गायत्री परिवार की प्रमुख श्रद्धेया शैलदीदी ने कहा कि

सेवा, सहयोग और संवेदना भारतीय संस्कृति की पहचान है। समाज जब संकट में हो, तब प्रत्येक सजग नागरिक का दायित्व है कि वह अपनी सामर्थ्य अनुसार आगे बढ़कर मदद करे। शांतिकुंज परिवार ने थराली के आपदा पीड़ितों तक राहत पहुँचाकर इसी संवेदनशीलता को व्यवहार में उतारा है। अखिल विश्व गायत्री परिवार के वरिष्ठ प्रतिनिधि और देवसंविवि के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि आज का युवा यदि सेवा, श्रद्धा और संस्कार से जुड़ जाए तो समाज की हर पीड़ा का समाधान संभव है। आपदा के समय जरूरतमंदों की मदद करना केवल दान नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि शांतिकुंज और अखिल विश्व गायत्री परिवार सदैव संकट की घड़ी में अग्रणी भूमिका निभाता आया है और यह राहत अभियान पं. श्रीराम शर्मा आचार्य की विचारधारा से प्रेरित परंपरा की ही एक कड़ी है। राहत सामग्री पाकर प्रभावित परिवारों ने शांतिकुंज परिवार का आभार व्यक्त किया। वहीं उपजिलाधिकारी पंकज भट्ट, तहसीलदार अक्षय पंकज सहित स्थानीय प्रशासन ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि समाजहित में चल रहे ऐसे प्रयास प्रेरणादायक हैं।

शांतिकुंज सेवा दल में मंगल सिंह गढ़वाल, दिनेश मैखुरी, अरुण तोमर, रामकुमार वाजपेयी, रमेश कुमार, टिग्गु, विवेक, मनोज और आसमान शामिल रहे।

फोटोग्राफर एसोसिएशन उत्तरकाशी की नई कार्यकारिणी का गठन, देवेन्द्र सिंह महर बने अध्यक्ष

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। फोटोग्राफर एसोसिएशन उत्तरकाशी की एक महत्वपूर्ण बैठक पूर्व अध्यक्ष संतोष सकलानी की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में संगठन की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। लंबी विचार-विमर्श और सहमति के बाद पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। बैठक में देवेन्द्र सिंह महर को अध्यक्ष, सोहन पाल रावत को उपाध्यक्ष, जयवीर सिंह चौहान को सचिव, जगन्नाथ सेमवाल को कोषाध्यक्ष तथा गणेश सेमवाल को सोशल मीडिया प्रभारी बनाया गया। सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों का उपस्थित सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत करते हुए बधाई और शुभकामनाएं दीं। साथ ही फोटोग्राफरों के हितों में मिलजुलकर कार्य करने

तथा संगठन को और सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। बैठक में एसोसिएशन से जुड़े उत्तरकाशी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफरों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर पूर्व सचिव दिनेश नौटियाल, नवीन रतूड़ी, कविंद्र बिष्ट, हेम पाल, मदन मोहन, राजपाल पंवार सहित कई वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि फोटोग्राफर समाज न सिर्फ सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों का दस्तावेज तैयार करता है, बल्कि जिले की गतिविधियों को भी अपनी तस्वीरों के माध्यम से इतिहास के पन्नों में सहेजता है। इसलिए संगठन के माध्यम से फोटोग्राफरों के हितों की रक्षा करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना प्राथमिकता रहेगी।

कर्ज में डूबे प्रॉपर्टी डीलर ने रची लूट की साजिश, पुलिस ने मास्टरमाइंड समेत चार पकड़े

पथ प्रवाह, हरिद्वार। रानीपुर क्षेत्र में हुई दिनदहाड़े लूटकांड का पुलिस ने खुलासा कर मास्टरमाइंड समेत चार बदमाशों को दबोच लिया। चौंकाने वाली बात यह रही कि इस वारदात के पीछे कोई पेशेवर गैंग नहीं, बल्कि कर्ज में डूबा एक प्रॉपर्टी डीलर निकला। जमीन के सौदे में डूबे 10 लाख रुपये की भरपाई करने के लिए उसने कुख्यात अपराधियों के साथ मिलकर यह योजना बनाई थी।

जमीन का सौदा बना अपराध का कारण

मास्टरमाइंड अजीत पुत्र भंवर सिंह ने पूछताछ में बताया कि चार वर्ष पूर्व उसने बीएचईएल से रिटायर्ड प्रॉपर्टी डीलर गुलवीर चौधरी से 67 लाख रुपये में जमीन खरीदी थी। सौदे के तहत उसने 10 लाख रुपये अग्रिम दिए थे, लेकिन तय समय में बाकी रकम नहीं चुका सका। नतीजा यह हुआ कि जमीन वापस चली गई और उसका बयाना भी डूब गया। यही आर्थिक नुकसान और कर्ज का दबाव उसके अपराध की असली जड़ बना।

कुख्यात साथी लेकर बनाई योजना

कर्ज से परेशान अजीत ने अपने पुराने परिचित और कई बार जेल जा चुके बदमाश सोमपाल उर्फ छोटू से संपर्क किया। सोमपाल ने अपने साथ नरेश, अर्पित और विवेक को शामिल किया। अजीत ने खुद गुलवीर चौधरी के घर की रेकी कराई और वारदात का खाका खींचा। 26 अगस्त को तीन बदमाश घर में घुसकर महिला को तमंचा दिखाते हुए नकदी और गहने लूट ले गए।

1000 CCTV कैमरे खंगालकर खुला राज

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल मौके पर पहुंचे और कई पुलिस टीमों का गठन किया। सीआईयू और रानीपुर पुलिस ने मिलकर 1000 से अधिक ष्टष्ठञ्जङ्क कैमरों की फुटेज खंगाली, 100 संदिग्धों से पूछताछ की और आखिरकार 31 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर अजीत को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर बाकी आरोपी भी पकड़े गए।

गिरफ्तार आरोपी

अजीत पुत्र भंवर सिंह, निवासी टिहरी विस्थापित कॉलोनी, रानीपुर

सोमपाल उर्फ छोटू पुत्र जसवीर सिंह, निवासी मुजफ्फरनगर (यूपी) नरेश पुत्र बीर सिंह, निवासी हापुड़ (यूपी) विवेक पुत्र मनोज कुमार, निवासी बागपत (यूपी)

बरामदगी

लूटी गई सोने की चेन व डायमंड अंगूठी, 3 लाख रुपये नकद, तीन तमंचे, 6 जिंदा कारतूस, एक चाकू, पल्सर मोटरसाइकिल और पिट्ठू बैग

एसएसपी का संदेश

एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने कहा कि ÷हरिद्वार पुलिस अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शेगी नहीं। हमारी टीमें चौबीसों घंटे जनता की सुरक्षा के लिए तत्पर हैं। उन्होंने खुलासे में शामिल पुलिस टीम को बधाई दी।

भारी बारिश की संभावना को देख जिलाधिकारी ने अधिकारियों को किया अलर्ट

पथ प्रवाह संवाददाता। जनपद हरिद्वार में अगले दो दिन मौसम विभाग ने भारी बारिश की संभावना को देखते हुए अलर्ट जारी किया है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सभी अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्रों में अलर्ट रहने के निर्देश दिये हैं। इसके अलावा स्कूलों में भी एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सभी उप जिलाधिकारियों और खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि वह अपने अपने क्षेत्रों में एक्टिव रहें। फील्ड कर्मचारियों को भी अलर्ट मोड पर रखें। यदि किसी क्षेत्र में जलभराव होता है या फिर कोई घटना होती है तो तुरंत एक्टिव होकर वहां राहत बचाव कार्य शुरू कराएं। भारी बारिश के कारण यदि किसी सम्पत्ति या योजना को कोई क्षति होती है तो उसका आंकलन करते हुए आंकलन प्रस्ताव तत्काल जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने समस्त निजी व सरकारी स्कूलों और समस्त आगंनबाड़ी केंद्रों में भी सोमवार को अवकाश घोषित किया है। आदेश का पालन न करने वाले स्कूल संचालकों पर कार्रवाई के निर्देश दिये गए हैं।

हरिद्वार पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई - मेडिकल स्टोर्स पर छापेमारी, 14 पर चला जुर्माने का डंडा

पथ प्रवाह, हरिद्वार

नगर कोतवाली पुलिस ने रविवार को मेडिकल स्टोर्स पर सुरक्षा और पारदर्शिता की जांच के लिए विशेष अभियान चलाते हुए ताबड़तोड़ छापेमारी की। पुलिस की इस कार्रवाई से मेडिकल कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देशों पर चलाए गए इस अभियान में मेडिकल स्टोर्स पर लगे ष्टष्ठञ्जङ्क कैमरों की स्थिति और अन्य अनियमितताओं की गहन जांच की गई।

14 मेडिकल स्टोर्स पर कार्रवाई

चेकिंग के दौरान पुलिस ने पाया कि 14 मेडिकल स्टोर्स में ष्टष्ठञ्जङ्क कैमरे स्थापित ही नहीं किए गए थे। ऐसे मेडिकल संचालकों पर मौके पर ही धारा 83 पुलिस अधिनियम के तहत नियमानुसार चालान काटा गया और कुल एक लाख चालीस हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

पुलिस का सख्त संदेश

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मेडिकल स्टोर्स पर सुरक्षा व्यवस्था बेहद जरूरी है, क्योंकि ये संवेदनशील स्थान होते हैं। ष्टष्ठञ्जङ्क कैमरे न होने से अपराध की रोकथाम और जांच प्रभावित होती है। इसी वजह से ऐसे प्रतिष्ठानों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

अभियान आगे भी जारी रहेगा

नगर कोतवाली प्रभारी रितेश शाह ने स्पष्ट किया है कि यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का पालन न करने वाले मेडिकल संचालकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

किरायेदार का सत्यापन न कराने पर 39 मकान मालिकों पर 3.90 लाख जुर्माना

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद में आपराधिक घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए हरिद्वार पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल के आदेश पर कोतवाली सिडकुल पुलिस ने रविवार को रावली महदूद क्षेत्र में विशेष किरायेदार सत्यापन अभियान चलाया।

125 मकानों की जांच, 39 पर कार्रवाई

अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने क्षेत्र के लगभग 125 मकानों का सत्यापन किया। जांच में पाया गया कि 39 मकान मालिकों ने किरायेदारों का सत्यापन नहीं कराया था। नियमानुसार पुलिस ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए प्रत्येक पर जुर्माना लगाया और कुल 3,90,000 के चालान काटे।

लोगों को किया जागरूक

अभियान के दौरान पुलिस ने आमजन को सख्त हिदायत दी कि वे बिना पुलिस सत्यापन के किसी भी किरायेदार को घर न दें। साथ ही क्षेत्रवासियों को यातायात नियमों का पालन करने और दोपहिया वाहन पर नंबर प्लेट अनिवार्य रूप से लगाने के प्रति भी जागरूक किया गया।

अभियान में शामिल पुलिस टीम

प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिंह भंडारी, उपनिरीक्षक अनिल बिष्ट, उपनिरीक्षक इंद्रजीत सिंह राणा, उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह, महिला उपनिरीक्षक मनीषा नेगी

एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल का अल्टीमेटम रंग लाया, 24 घंटे में यात्रियों से लूट का खुलासा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नगर कोतवाली क्षेत्र में होटल का पता पूछ रहे यात्री से स्कूटी सवार बदमाशों ने की गई लूट का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के कड़े निर्देश पर गठित टीम ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया।

कैसे हुई वारदात

29 अगस्त को गाजियाबाद निवासी प्रशांत त्यागी ने पुलिस को तहरीर दी थी कि होटल का पता पूछते समय दो अज्ञात युवक स्कूटी से आए और मदद करने के बहाने उसे बैठाकर जंगल की ओर ले गए। वहां धमकाकर उसका आईफोन मोबाइल लूट लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू की।

24 घंटे में सफलता

एसएसपी के अल्टीमेटम के बाद पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया और सुराग जुटाते हुए 30 अगस्त को लालकोठी रोड पर दबिश देकर दोनों आरोपितों को दबोच लिया। उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल भी बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपित

1. सागर लोधी पुत्र जयराम लोधी, निवासी हरिपुर कला, थाना रायवाला, आयु 26 वर्ष।

2. विजय देवली पुत्र स्व. जगन्नाथ प्रसाद देवली, निवासी हरिपुर कला, थाना रायवाला, आयु 34 वर्ष।

बरामदगी: एक मोबाइल फोन (रेडमी, मॉडल-24048RN6CI)

पुलिस टीम: प्रभारी निरीक्षक रितेश शाह, उ.नि. ऋषिकांत पटवाल, अ.उ.नि. संदीप वर्मा, कानि. लखन सिंह, कानि. बृजमोहन सिंह

संपादकीय

भारत पर अमेरिकी टैरिफ और ऊर्जा सुरक्षा

ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत से निर्यातित वस्तुओं पर 50% टैरिफ लगाना, रूस से भारत के कच्चे तेल आयात के जवाब में, एक संकीर्ण और असंगत नीति को दर्शाता है। भारत की आलोचना की जा रही है जबकि चीन, जापान, तुर्की और यूरोपीय संघ के कई देश रूस से कहीं अधिक तेल आयात कर रहे हैं। यह चयनात्मक रवैया इस टैरिफ को अनुचित और राजनीतिक रूप से प्रेरित बनाता है।

इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर खासकर वस्त्र, रत्न और कीमती धातुओं जैसे क्षेत्रों में देखा जा सकता है। भले ही रोजगार और महंगाई पर इसका पूरा असर अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन भारत सरकार ने अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने की दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। भारत का विशाल घरेलू बाजार, मजबूत कूटनीतिक संबंध और बढ़ती आर्थिक-सेना शक्ति ऐसे दबावों को सफल नहीं होने देगी।

भारत और रूस के बीच व्यापार अमेरिकी डॉलर की बजाय रुपये में होता है, जो वैश्विक व्यापार में डॉलर मुक्त व्यवस्था की ओर एक कदम है। भारत मध्य पूर्व देशों के साथ भी रुपये में तेल व्यापार के विकल्प तलाश रहा है। यदि यह चलन बढ़ा, तो यह पेट्रो-डॉलर प्रणाली को चुनौती देगा और अमेरिकी आर्थिक प्रभुत्व को कम कर सकता है। क्क्ष्ट्स देशों के बीच रुपये आधारित व्यापार की भारत की पहल भी इसी दिशा में है। अमेरिका की चिंता भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से अधिक, डॉलर की वैश्विक पकड़ कमजोर होने को लेकर है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से तेल आयात पर निर्भरता से जुड़ी है। भारत अपनी 82% से अधिक कच्चे तेल की जरूरतें आयात से पूरी करता है, जिससे विदेशी मुद्रा पर दबाव और बाहरी झटकों की आशंका बढ़ जाती है। अधिकांश तेल परिवहन क्षेत्र–दोपहिया, कार, ट्रक, बस, विमानन ईंधन और कृषि व थर्मल पावर में डीजल–में खपत होता है।

इसे कम करने के लिए भारत ने इलेक्ट्रिक वाहनको बढ़ावा देना शुरू किया है, विशेषकर दोपहिया, यात्री वाहन और बसों में। साथ ही, वैकल्पिक ऊर्जा परियोजनाओं में भी निवेश किया जा रहा है। हिमालय क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं की योजना है, पर भूकंपीय जोखिम, भूस्खलन और मानसून के दौरान पर्यावरणीय चुनौतियां गंभीर हैं। इनके लिए पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का गहन मूल्यांकन जरूरी है।

भारत दुनिया में बिजली का एक बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। थर्मल पावर (मुख्यतः कोयला) अभी भी 45.4% बिजली उत्पादन में योगदान देता है, जबकि जलविद्युत का हिस्सा लगभग 10.2% है, जिसे अब सौर और पवन ऊर्जा ने पीछे छोड़ दिया है। 2025 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों की क्षमता 217 जीडब्ल्यू पार करने का अनुमान है, जो ऊर्जा नीति में बड़ा बदलाव है। राष्ट्रीय बायोएनेर्जी मिशन, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और रूफटॉप सोलर जैसे कार्यक्रम इस दिशा में अहम हैं।

वर्तमान में, भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता का लगभग 49% गैर-जीवाश्म स्रोतों (जिसमें परमाणु ऊर्जा भी शामिल है) से आता है। ग्रीन हाइड्रोजन के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं भी तेजी से बढ़ाई जा रही हैं ताकि दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अमेरिकी टैरिफ भारत के लिए तात्कालिक आर्थिक चुनौती जरूर हैं, लेकिन भारत अपने व्यापार और ऊर्जा नीतियों में बड़े स्तर पर बदलाव कर रहा है। ये प्रयास न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हैं, बल्कि एक संतुलित और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की दिशा में भी योगदान देते हैं।

(लेखक विकास क्षेत्र से जुड़े एक समाजशास्त्री हैं।)

अनुसन्धान संस्थान में तकनिकी हिंदी जानकारों की आवश्यकता

संजय गोस्वामी

आज हिंदी का प्रचार जोर शोर से चल रहा है और हिंदी हेतु सरकार द्वारा राजभाषा हेतु उपनिदेशक (राजभाषा) व अनुवाद अधिकारी की नियुक्ति होती है अच्छी बात है अभी हिंदी दिवस भी सामने आ रही है और अभी से ही लोग हिंदी लेख और उससे जुड़े प्रतियोगिता में भाग लेने को इक्छुक है हिंदी में कर्मचारी को ट्रेनिंग भी दि जा रही है लेकिन हिंदी को अनुसन्धान संस्थान पर थोपना सही नहीं है क्योंकि विज्ञान या इंजीनियरिंग को हिंदी में कितने लोग पढ़े है यदि पढ़े भी है तो संस्थान में काम करने वाले सभी लोग पढ़े हैं क्या? क्योंकि कुछ लोगों के विज्ञान को हिंदी में पढ़ाई करने से अनुसन्धान का कार्य पूर्ण रूप से नहीं होता है क्योंकि टीम वर्क के साथ काम करना होता है अनुसन्धान संस्थान में देश के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे आईआईटी, एनआईटी आदि के स्टूडेंट रहते हैं वहाँ सारा पढ़ाई इंग्लिश में होता है तकनिकी हिंदी और सिर्फ हिंदी में काफी अंतर है वहाँ हिंदी अनुवादक कार्मिक होते हैं जिसे विज्ञान और इंजीनियरिंग की पकड़ कितनी होती है वो सबको पता है नतीजा यह होता है कि टेक्निकल या इंजीनियरिंग शब्दों का हिंदी में कैसे इस्तेमाल किया जाए अंत में गूगल ट्रांसलेशन की मदद लेते हैं और कार्मिक द्वारा हिंदी ट्रांसलेशन में गलत अर्थ आता है जैसे आप फिजिकल प्रोग्रेस को हिंदी में गूगल ट्रांसलेशन करेंगे तो शारीरिक प्रगति आती है जिसे भौतिक प्रगति होना चाहिए उसी तरह परचेज ऑर्डर का गूगल ट्रांसलेट करते हैं तो खरीद आदेश आता है जबकी क्रय आदेश होना चाहिए इसी तरह प्रोक्योरमेंट को गूगल से ट्रांसलेशन करेंगे तो भी खरीद ही आता है जबकी उसका सही अर्थ प्रापण होना चाहिए आरटीडी जो एक इलेक्ट्रिकल यन्त्र है उसे गूगल से ट्रांसलेशन करने पर सेवानिवृत हो जाता है और एक ऐसा ही शब्द ऊद्व जिसे जिसे टाईटेनियम कहा जाता है गूगल उसे तिवारी पकड़ लेता है ऐसे अनगिनत शब्द हैं जो विज्ञान में हिंदी में गूगल कभी सही अर्थ जो उसमें फिट होना चाहिए वो नहीं बतलाता है अतः यदि अनुसन्धान संस्थान में हिंदी को अनिवार्य करना जरुरी नहीं है नहीं तो वहाँ के साइंटिस्ट को शोध करने में कई कठिनाई का सामना करना पड़ता है ऐसे भी वैज्ञानिक खोज देश या विदेश पर निर्भर नहीं करती है वह सिद्धांत को प्रैक्टिकल के सफलता पर निर्भर करती है और जब आईआईटी और लगभग सभी इंजीनियरिंग कॉलेज में इंग्लिश में पढ़ा होता है तो अनुसन्धान संस्थान में वैज्ञानिक हिंदी में कैसे काम करेंगे अतः अनुसन्धान संस्थान में देश के विकास हेतु टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है जो समय से कार्य को पूर्ण करना उसका उद्देश्य होता है तकनीकी लेखन से आशय तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखने से है। उदाहरण के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, रोबोटिक्स, वित्त, चिकित्सा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और वानिकी जैसे तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखना। अतः आज हिंदी में तकनिकी लेखन यदि शुरुआत से ही की जाए तभी इसका फायदा होगा मंगलवार (5 अगस्त, 2025) को लोकसभा को सूचित किया गया कि सरकार ने आधिकारिक संचार, केंद्रीय सेवाओं या शैक्षणिक संस्थानों में हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किया है।गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने डीएमके सांसद कलानिधि वीरस्वामी के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। इस प्रश्न में पूछा गया था कि क्या सरकार ने हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी किए हैं। मंत्री ने उत्तर दिया, नहीं, महोदय।

डीएमके सांसद मथेश्वरन वी.एस. द्वारा 2014 से हिंदी के प्रचार-प्रसार पर खर्च की गई धनराशि के बारे में पूछे गए एक अलग प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने आँकड़े प्रस्तुत किए जिनसे पता चला कि 2014-15 और 2024 के बीच राजभाषा विभाग को आवंटित बजट से ?736.11 करोड़ खर्च किए गए हैं।लेकिन हिंदी अपने देश की भाषा है खुसबू बिखेरती है अतः हिंदी के साथ साथ क्षेत्रीय भाषा का भी सम्मान होएक प्रसिद्ध और शिक्षाप्रद दोहा है।

करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।रसरी आवत जात के सिल पर परत निशान।।

इसमें जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है अभ्यास। अगर मान लिया जाए अभ्यास ही गलत हो, या गलत दिशा में किया जा रहा हो। तो सफलता मिलने की संभावना लगभग शून्य ही हो जाएगी।

इसलिए हर कार्य या अभ्यास के पीछे भी गंभीरता बहुत जरूरी है। गंभीरता और मन से किया गया कार्य ही सार्थक होता है। इसके अभाव में अभ्यास निरर्थक साबित हो जाएगा।

हम जो भी प्रश्नों के जवाब देते हैं वह जवाब कहीं न कहीं मौजूद भी होते हैं। अगर उस जवाब में हम अपने अनुभव द्वारा, उनमें नए उदाहरण नहीं जोड़ेंगे। तो मेरे जवाब का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा यानी मेरा जवाब गंभीरता पूर्वक नहीं लिया जाएगा। उसे एक तरह का कॉपी-पेस्ट ही माना जाएगा।

स्कूल के दिनों में एक कहानी पढ़ी थी कि किस तरह एक जादुई बांसुरी वाला व्यक्ति पूरे शहर के लोगों को चूहे के आतंक से आजादी दिलाता है। उस बांसुरी की आवाज में इतना खिंचाव था कि शहर के सारे चूहे उस आवाज के पीछे खींचते चले गए और शहर के बाहर दूरदराज गुफा में बंद कर दिए गए।

कहीं न कहीं यह तकनिकी हिंदी का प्लेटफार्म भी लोगों को जादुई बांसुरी वाले व्यक्ति की तरह ही अपनी ओर आकर्षित करता है और विज्ञान लेखक बगैर पारिश्रमिक के ही लगातार मेहनत करते रहते हैं। जो एक सच्चाई भी है।मेरे हिसाब से विज्ञान लेखन का जो नाता है वह कहीं न कहीं एक आकर्षण से भी जुड़ा हुआ मालूम पड़ता है।

पुरातात्विक अनुसंधानों से ज्ञात हुआ है कि आज से लगभग दस हजार वर्ष पूर्व ही मनुष्य ने फसल पैदा करना सीखा था । वेदों में भी इस काल के कृषि विकास का महत्वपूर्ण वर्णन मिलता है। ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में कृषि, गोपालन आदि का विशद विवेचन मिलता है। इनमें फसल उत्पादन के लिये आवश्यक भूमि, भूमि की तैयारी, जल तथा सिंचाई, पादप-पोषण, फसल सुरक्षा और मौसम के बारे में बहुत कुछ पढ़ने को मिलता है । साथ ही उस समय के गोपालन के बारे में भी जानकारी मिलती है। जिसका आधुनिक विज्ञान के आधार पर परीक्षण करके बहुत लाभ उठाया जा सकता हैं। इन्हीं जानकारियों को यहाँ क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया हैं।

अलग-अलग भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का भी प्रयोग मिलता है। यूरोपीय देशों की भाषाओं के लिए रोमन लिपि का प्रयोग मिलता है। ईरान और इराक आदि देशों की भाषाओं के लिए फारसी लिपि का प्रयोग होता है। अरब देशों की भाषाओं और बोलियों के लिए अरबियन लिपि का प्रयोग होता है। भारत में संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश प्राचीन भाषों का प्रयोग मिलता है। हिन्दी, मराठी, गुजराती और पंजाबी आदि आर्य भाषा-परिवार की भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का प्रयोग होते हुए भी नागरी लिपि का प्रयोग होता है। संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, मराठी, कोंकणी, नेपाली और मणिपुरी भाषाओं की अभिव्यक्ति के लिए देवनागरी लिपि का प्रयोग होता है। बांग्ला, उड़िया, असमिया आदि पूर्वी क्षेत्र की भाषाओं की अलग-अलग लिपियां हैं। परन्तु इन भाषाओं का देवनागरी लिपि के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।हिन्दी एक व्यापक भाषा है, जो सम्पूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें सम्पूर्ण भारत एक साथ बोलता है। इसके एक-एक शब्द के उच्चारण में हमारी आत्मा, हमारी संस्ड्डति समाई हुई है। भारतीय संस्ड्डति को जीवित रखने के महान् उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए मनीषियों ने हिन्दी को प्रतिनिधि भाषा घोषित करनें में भारत का और अपना गौरव समझा है। यह निर्विवाद सत्य भी है कि जिस दिन 'हिन्दी' व्यावहारिक रूप में प्रतिनिधि भाषा का रूप धारण कर लेगी और 'अंग्रेजी' का मोह भंग हो जायेगा, उस दिन हमारा देश भाषा के दृष्टिकोण से एक हो जायेगा, विज्ञान के क्षेत्र में अंग्रेजी का कार्य अनायास ही समाप्त हो जायेगा। हिन्दी देश की एकता की कड़ी है। हिन्दी सहज, सरल एवं सम्पूर्ण भाषा है, पर्याप्त शब्द कोष है।इसमें हमारी संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य है, भरपूर-साहित्य है, जिसके संवाद अपना एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। हिन्दी ने अपनी मौलिकता एवं सुबोधता के बल पर ही राष्ट्र की सभ्यता, संस्ड्डति और साहित्य को जीवन्त बनाए रखा है सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बंधा महसूस कराते रहती है एवं अनेकता में एकता के दर्शन कराती है।हिन्दी के द्वारा ही सारे देश को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।

पोषण भी पढ़ाई भी: भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

(लेखिका- श्रीमती अन्नपूर्णा देवी / ईएमएस)

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरुआत – अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज़ होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्ये आकार लेता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्?द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने–न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षा- आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है।

आज के भारत में, खेल अब सिर्फ़ मनोरंजन भर नहीं, अपितु –नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुंल स्पखष्ट और विश्व सनीय हैं । पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्या?वस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत है–जीवन के शुरुआती छह वर्षों में।

वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में–पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई। विकासशील भारत के लिए ये वृद्धि बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत के ये निष्कर्ष वैश्विक शोध के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि पाँच साल की उम्र से पहले गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों में उच्च आईक्यू, बेहतर सामाजिक कौशल और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की संभावना 67 प्रतिशत अधिक होती है। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जेम्स हेकमैन की प्रसिद्ध उक्ति है,जितनी जल्दी शुरुआत,उतने बेहतर परिणाम–और उतने ही कुशल रिटर्न उनके शोध में अनुमान व्यकक्त् किया गया है कि प्रारंभिक बाल्या वस्थाट में निवेश से 13-18 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है–जो शिक्षा या नौकरी के प्रशिक्षण के किसी भी अन्य चरण से अधिक है। ईसीसीई के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही प्रकार के महत्व को समझते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी नामक एक पहल शुरू की है, जिसने आंगनवाड़ी केंद्रों को जीवंत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में तब्दीएल कर दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पहली बार स्थानीय और स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग कर गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित रूप से ईसीसीई में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षण-अधिगम सामग्री के लिए बजट आवंटन में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है, और मासिक ईसीसीई दिवसों को संस्थागत रूप दिया गया है। आज, आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण का स्थान नहीं है–यह प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला है, जो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समग्र विकास का पोषण करती है। मंत्रालय ने इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-आधारशिला, की शुरुआत की है। आधारशिला बच्चों के केवल बौद्धिक विकास पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण पर भी ज़ोर देते हुए समग्र विकास पर केंद्रित है। यह खेल के माध्यम से सीखने की व्यीवस्थित प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, जिससे बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण में बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलता है। बच्चे खेलने के प्रति सहज रूप से आकर्षित होते हैं - अपनी दुनिया के कोने-कोने को खोज और आनंद के स्थान में तब्दी ल कर देते हैं। सही वातावरण के साथ यह प्रवृत्ति आजीवन सीखने की नींव बन जाती है। पोषण भी पढाई भी सुरक्षित, व्यनवस्थित और प्रेरक वातावरण प्रदान करके इस भावना को पोषित करती है जहाँ बच्चे निर्देशित खेल और शिक्षा के माध्यम से फल-फूल सकते हैं। प्रारंभिक बाल्याँवस्थो देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) हमारे देश के भविष्य को आकार देने में बुनियादी भूमिका निभाती है। पोषण भी पढाई भी पहल के तहत, देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों को समग्र प्रारंभिक शिक्षा के लिए पोषण स्थलों में बदला जा रहा है। व्यंवस्थित आधारशिला की 5+1 साप्ताहिक योजना यह सुनिश्चित करती है कि दिन की शुरुआत 30 मिनट के उन्मुक्तिध खेल से हो, उसके बाद भाषा, रचनात्मकता, मोटर स्किल और सामाजिक संपर्क को बढ़ाने वाली व्यमवस्थित गतिविधियाँ हों। दोपहर के पौष्टिक भोजन और आराम के बाद, दिन का समापन बाहरी खेल और बातचीत के साथ होता है, जो मूल्यों को सुदृढ़ करता है और भावनात्मक संबंध बनाता है। व्य वस्थित और निर्बाध खेल के प्रति यह संतुलित दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आलोक में, जिसने औपचारिक स्कूल प्रवेश की आयु को छह वर्ष कर दिया है। व्यकवस्थित ईसीसीई यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक रूप से स्कूल के लिए तैयार हों।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का ड्रीम प्रोजेक्ट, लखवाड़-व्यासी और त्यूनी-प्लासू परियोजनाएं

पथ प्रवाह, देहरादून

जिलाधिकारी सविन बंसल ने शनिवार को लखवाड़ बहुउद्देशीय परियोजना और त्यूनी-प्लासू जल विद्युत परियोजना से जुड़े मामलों की हाईलेवल समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि ये दोनों परियोजनाएं न केवल जिले के लिए बल्कि पूरे उत्तरी भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का ड्रीम प्रोजेक्ट है और इसे समयबद्ध पूरा करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

डीएम सविन बंसल ने निर्देश दिए कि 15 सितंबर तक सभी प्रभावित परिवारों को मुआवजा वितरण, संपत्ति मूल्यांकन और क्षति गणना की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। कोई भी अर्ह प्रभावित परिवार राहत पैकेज से वंचित न रहे। इसके लिए गांव-गांव में शिविर लगाकर कागजात पूर्ण कराते हुए मुआवजा वितरित किया जाए।

उन्होंने एडीएम (प्रशासन) और विशेष भूमि अध्यापति अधिकारी को निर्देशित किया कि हर 15 दिन में परियोजनाओं की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की जाए। डीएम ने कहा कि उत्तराखंड को ऊर्जा प्रदेश बनाने में ये परियोजनाएं धुरी साबित होंगी।

बैठक में जानकारी दी गई कि यमुना नदी पर प्रस्तावित 300 मेगावाट की लखवाड़ जल विद्युत परियोजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल है। इससे बिजली उत्पादन के साथ ही उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली–छह राज्यों को सिंचाई और पेयजल की सुविधा मिलेगी।

अधिकारियों ने बताया कि लखवाड़ परियोजना में अधिग्रहित 45.317 हेक्टेयर भूमि के एवज में कुल 30.34 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि वितरित की जानी है। अभी तक प्राप्त 19.27 करोड़ रुपये में से 17.85 करोड़ रुपये प्रभावित काश्तकारों को दिए जा चुके हैं। शेष 114 काश्तकारों द्वारा अभिलेख जमा न करने के कारण भुगतान लंबित है। इसी प्रकार, टौंस नदी पर 72 मेगावाट क्षमता की त्यूनी-प्लासू परियोजना के लिए 5.999 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण होना है। फिलहाल समितियों की सर्वेक्षण एवं मूल्यांकन रिपोर्ट आना शेष है, जिसके बाद भूमि अधिग्रहण और अनुग्रह राशि वितरण शुरू होगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन जय भारत सिंह, विशेष भू अध्यापति अधिकारी स्मृता परमार, त्यूनी-प्लासू परियोजना के महाप्रबंधक आई.एम. करासी, लोनिवि चकराता के अधिशासी अभियंता प्रवीण कर्णवाल, उप प्रभागीय वनाधिकारी संजीव नौटियाल समेत संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मन की बात ने हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा : सांसद त्रिवेन्द्र रावत

पथ प्रवाह, देहरादून

हरिद्वार सांसद एवं उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रेडियो संवाद 'मन की बात' देश के हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण की यात्रा से जोड़ने वाला सशक्त माध्यम बन चुका है। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत रविवार को दीनदयाल उपाध्याय मंडल के वार्ड 76, देहरादून में भाजपा कार्यकर्ताओं संग प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम की 125वीं कड़ी सामूहिक रूप से सुनने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। सांसद त्रिवेंद्र रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी साझा की गई प्रेरणादायी बातें प्रत्येक भारतवासी को नए संकल्प और ऊर्जा से भरती हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि इस प्रेरणा को समाज की अंतिम पंक्ति तक पहुँचाएँ और विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। प्रधानमंत्री मोदी जी ने कार्यक्रम में राष्ट्र की ऐतिहासिक उपलब्धियों और जनभागीदारी की शक्ति का उल्लेख करते हुए संदेश दिया कि विकसित भारत का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक की साझेदारी से ही संभव है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष आशीष गिरी, पूर्व राज्यमंत्री चौधरी अजीत सिंह, रविन्द्र बाल्मिकी, मनोज वालिया, जयवीर सिंह, शिव प्रसाद नौटियाल, विजय कश्यप, मुस्तकीम हसन समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रशासन ने की अवैध भांग की खेती नष्ट, ग्रामीणों ने भी दिया सहयोग

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़

नशा मुक्ति अभियान के तहत प्रशासन ने रविवार को तहसील पिथौरागढ़ के शिलिंग्या, सुकौली, तोली सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध भांग की खेती पर बड़ी कार्रवाई की। राजस्व टीम ने खेतों में पहुंचकर अवैध फसल को नष्ट किया। इस दौरान ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया। यह कार्रवाई उपजिलाधिकारी पिथौरागढ़ सदर मंजीत सिंह के निर्देश पर की गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध खेती की पहचान की और उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया। साथ ही ग्रामीणों को यह संदेश दिया कि नशीले पदार्थों की खेती गैरकानूनी होने के साथ ही समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर खतरा है।

उपजिलाधिकारी मंजीत सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन राज्य सरकार के नशा मुक्त उत्तराखंड अभियान÷ को सफल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अवैध खेती और नशे के कारोबार को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे ऐसी गतिविधियों से दूर रहें और प्रशासन का सहयोग करें। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखी जाएगी और आवश्यकतानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

फिट इंडिया साइकिल रैली से दिया फिटनेस का संदेश

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खेल विभाग पिथौरागढ़ द्वारा रविवार को सुरेन्द्र सिंह वल्दिया स्पोर्ट्स स्टेडियम से फिट इंडिया साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली स्पोर्ट्स स्टेडियम से प्रारंभ होकर कलेक्ट्रेट परिसर मार्ग, टकाना चौराहा, चंद चौराहा होते हुए पुनः स्टेडियम में समाप्त हुई।

रैली को भारतीय महिला बॉक्सिंग टीम के मुख्य प्रशिक्षक भास्कर चन्द्र भट्ट, जिला ओलंपिक संघ पिथौरागढ़ के महासचिव ललित पंत एवं अंतरराष्ट्रीय रजत पदक विजेता कैप्टन देवी चन्द ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि साइकिलिंग को फिटनेस, तंदुरुस्ती, मनोरंजन एवं शारीरिक व्यायाम के रूप में दिनचर्या में शामिल करना

चाहिए। साइकिल रैली में कुल 36 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी जगत सिंह महरा ने किया। रैली के दौरान ट्रैफिक नियंत्रण में पुलिस विभाग की यातायात टीम तथा चिकित्सा विभाग की एम्बुलेंस टीम ने सहयोग प्रदान किया। खेल विभाग ने आमंत्रित अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया और सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी का आभार व्यक्त किया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य फिटनेस को जीवनशैली का हिस्सा बनाने की जागरूकता फैलाना रहा।

उल्लेखनीय है कि भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा फिट इंडिया साइकिलिंग अभियान 17 दिसम्बर 2024 को नई दिल्ली से शुरू किया गया था, जिसे अब ÷संडे ऑन साइकिल÷ के बैनर तले राष्ट्रीय स्तर पर संचालित किया जा रहा है।

इस अवसर पर राजेन्द्र सिंह जेठी, जनार्दन सिंह वल्दिया, मनोज कुमार पुनेठा, निखिल महर, चन्द्र सिंह धामी, प्रशान्त सिंह भैसोड़ा, जगदीश कसन्याल, विशाल नगरकोटी, मुकुल चन्द्र पाठक, मनोज रावत, भावेश भट्ट, लीलावती जोशी, माया कुमारी, नेहा धौनी, आरती धारियाल, काजल फर्सवाण, नेहा लुन्ठी, ललित प्रसाद कापड़ी, राजेन्द्र राम, सुन्दर राम, उमेद राम, तनूजा कन्याल सहित अनेक खिलाड़ी मौजूद रहे।

चंबा-ऋषिकेश हाईवे पर बड़ा हादसा

पहाड़ी से गिरे पत्थर ने छीनी युवक की जान, युवती गंभीर घायल

नरेन्द्रनगर। रविवार की सांय चंबा-ऋषिकेश राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर बैमुंडा के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया। पहाड़ी से अचानक गिरे पत्थर सीधे गुजर रही एक स्कूटी पर आ गिरे, जिससे स्कूटी चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पीछे बैठी युवती गंभीर रूप से घायल हो गई।

घटना बैमुंडा में जंगलात चौकी से लगभग 70 मीटर आगे हुई। चंबा से ऋषिकेश की ओर जा रही स्कूटी (नंबर च08 ञक्क0244) पर पहाड़ी से भारी पत्थर आ गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग सहायता के लिए दौड़े।

सूचना मिलते ही नरेन्द्रनगर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। स्कूटी चालक की पहचान अंकित जैन (25 वर्ष) पुत्र राजेश कुमार जैन निवासी 125, सदर बाजार घंटाघर, फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं स्कूटी पर सवार युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे प्राथमिक उपचार के बाद फकोट अस्पताल से चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर देखते हुए एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया। घायल युवती की पहचान रजनी रावत पुत्री सुनील सिंह रावत, निवासी 43, कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल, ग्राम त्रिलोकपुर, पोस्ट कलालघाटी, कोटद्वार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चंबा-ऋषिकेश हाईवे पर बरसात के दिनों में अक्सर पहाड़ी से पत्थर गिरने की घटनाएँ सामने आती हैं, जिसके कारण राहगीरों और यात्रियों की जान खतरे में पड़ जाती है। रविवार को हुआ यह हादसा भी प्रशासन और एनएच प्राधिकरण की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

गंगोत्री हाइवे पर डबरानी के पास कार खाई में गिरी, एक की मौत, एक घायल

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार सांयकाल डबरानी स्थित दुर्गा माँ मंदिर के पास एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार शाम करीब 4ऱ्55 बजे एक मारुति स्प्रेसो (संख्या- च07 ष्ठ 3080) अनियंत्रित होकर भागीरथी नदी की ओर लगभग 25 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में वाहन चालक सहित दो लोग सवार थे। इनमें यशपाल (35 वर्ष), पुत्र स्व. शिवराम, निवासी सेदिया त्यूनी, देहरादून की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जयपाल सिंह (45 वर्ष), पुत्र सूर्य सिंह, निवासी सेदिया त्यूनी, देहरादून गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को स्थानीय ग्रामीणों, पुलिस, स्ष्ठक्रस्न और 108 एम्बुलेंस की मदद से गंगनानी चिकित्सालय भेजा गया। मृतक के शव का पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई राजस्व टीम और पुलिस द्वारा की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, स्ष्ठक्रस्न टीम मौके पर पहुँची और रेस्क्यू अभियान चलाया। हादसे की पुष्टि जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी ने की है।

धराली-हर्षिल-स्यानाचट्टी में मलबा हटाने व पुनर्वास कार्य पर जिलाधिकारी ने दी जानकारी

सीएम धामी ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

सीएम धामी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से ली समीक्षा, उत्तरकाशी में राहत व पुनर्वास कार्यों को गति देने पर जोर

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को प्रदेश के आपदा प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर राहत, पुनर्वास और पुनर्स्थापना कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को प्राथमिकता के साथ युद्धस्तर पर पूरा किया जाए, ताकि आमजन को शीघ्र ही राहत मिल सके।

उत्तरकाशी पर विशेष फोकस

बैठक के दौरान जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने मुख्यमंत्री को उत्तरकाशी जनपद के धराली, हर्षिल और स्यानाचट्टी सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत व पुनर्वास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि स्यानाचट्टी में यमुना नदी के प्रवाह अवरुद्ध होने से बनी अस्थायी झील के मुहाने पर जमा मलबा हटाने और नदी के चौड़ीकरण का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। लगातार हो रही वर्षा के कारण नदी में दोबारा मलबा जमा हो रहा है, जिससे मलबा हटाने एवं चैनलाइजेशन कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। हालांकि अब तक काफी मात्रा में मलबा हटाया जा चुका है और मौसम साफ होते ही शेष कार्य को तेजी से पूरा किया जाएगा।

भविष्य की आवश्यकताओं पर जोर

जिलाधिकारी ने आगे कहा कि मानसून सीजन समाप्त होने के बाद आपदा प्रभावित धराली, हर्षिल, स्यानाचट्टी आदि क्षेत्रों से शेष मलबे को हटाकर चिन्हित डंपिंग जोन में डाला जाएगा, ताकि भविष्य में इन इलाकों में जलभराव या आपदा संबंधी जोखिम न बढ़े।

उन्होंने यह भी बताया कि हर्षिल और धराली में सड़क मार्ग को सुचारू कर दिया गया है। साथ ही प्रभावित परिवारों तक आवश्यक खाद्य सामग्री, दवाइयां और रोजमर्रा की जरूरत का सामान समय-समय पर पहुंचाया जा रहा है।

जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी के साथ एडीएम मुक्ता मिश्र, अधीक्षण अभियंता लोनिवि विजय कुमार, एसडीएम शालिनी नेगी, ईई सिंचाई सचिन सिंघल, ईई लोनिवि अनदीप राणा, आपदा समन्वयक जय पंवार सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए और राहत सामग्री की आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि सरकार हर संभव तरीके से आपदा प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

एक नजर

जिलाधिकारी ने किया छात्रावास एवं औद्योगिक आस्थान का निरीक्षण

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने रविवार को समाज कल्याण विभाग से संचालित राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास, लिन्स्यूश का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। छात्राओं ने रेफ्रिजरेटर की मांग रखी, जिस पर जिलाधिकारी ने शीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी गोस्वामी ने औद्योगिक आस्थान बिण का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को विद्युत पोल एवं केबल की शिफ्टिंग कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही सीडा से नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी करने को कहा, ताकि औद्योगिक इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो सके। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि छात्राओं की सुविधाओं में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी और औद्योगिक क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा।

हरिद्वार के मुख्य चिकित्सा अधिकारी की कार दुर्घटनाग्रस्त, कनखल पुलिस ने टक्कर मारने वाली गाड़ी सीज की

पथ प्रवाह, संवाददाता/गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के सामने सर्विस रोड़ पर हरिद्वार के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ष्टरूह्र) डॉ. आर.के. सिंह की सरकारी गाड़ी सड़क हादसे का शिकार हो गई। दिल्ली नंबर की एक कार ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सीएमओ को चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही कनखल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने टक्कर मारने वाली दिल्ली नंबर की कार को कब्जे में लेकर सीज कर दिया है। फिलहाल हादसे की जांच की जा रही है।

दस लाख रुपए कीमत की 32 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

ऋषिकेश (ईएमएस)। ऋषिकेश के निकट मुनिकीरेती थाना पुलिस और सीआईयू की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नशे के एक सौदागर को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से पुलिस ने 10 लाख रुपए कीमत की 32 ग्राम स्मैक बरामद की है।पुलिस कप्तान आयुष अग्रवाल ने बताया कि मुनिकेरेती थाना इंस्पेक्टर प्रदीप चैहान और सीआईयू प्रभारी ओमकांत भीषण की टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान सपेरा बस्ती डोईवाला निवासी अनीश नाथ को स्मैक तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया है।

मूसलाधार बारिश से जन जीवन प्रभावित, बिजली सड़क बाधित

ज्योतिर्मठ। चमोली जनपद में एकबार फिर से बारिश मुसीबत का सबब बन गई है, मूसलाधार बारिश के चलते ज्योतिर्मठ क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप और सड़क संपर्क कई जगहों पर बाधित हो चला है। जहां देर रात से विद्युत आपूर्ति ठप है वहीं सीमांत नीति घाटी में हुई मूसलाधार बारिश से सुराहीथोटा से आगे तमक नाले में आए उफान के चलते मलारी राष्ट्रीय राज मार्ग पर तमक पुल बह गया है, जिसके चलते मलारी नीति घाटी सहित सुराहीथोटा से आगे धौली गंगा घाटी के दर्जनों गांव प्रभावित हो गए हैं, साथ ही नीति बड़ाहोती बोर्डर पर गर्मियों के सीजन में बकरी चुगान हेतु गए दर्जनों चरवाहों की भेड़ बकरियों के झुंड तराई छेत्र की ओर जाने के लिए बोर्डर रोड की तरफ बढ़

रहे है जिन्हें पुल बहने से काफी नुकसान हो रहा है। इधर देर रात से जनपद में हो रही मूसलाधार बारिश के चलते सीमांत विकास खंड ज्योतिर्मठ में विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है,66 केवी सप्लाई पिटकुल लाइन कर्णप्रयाग से चमोली के बीच ब्रेकडाउन के चलते ज्योतिर्मठ में बिजली गुल है। वहीं 33 केवी बिरही गंगा हाइड्रो जनरेशन लाइन भी ब्रेकडाउन में है। इस कारण देर रात से पूरा ज्योतिर्मठ ब्लॉक में विद्युत प्रभावित है। लगातार बरस रही इस आसमानी आफत का सीमांत धौली गंगा घाटी में साफ नजर आ रहा है यहां भारी बारिश के कारण ज्योतिर्मठ मलारी मार्ग एक बार फिर सुराहीठोटा से 10 ज़ड आगे तमक नाला में पुल बहने से मार्ग यातायात हेतु अवरूद्ध है। पुल बहने से पूरी नीति मलारी घाटी ओर उसके दर्जनों ऋतु प्रवासी गांवों का सड़क संपर्क देश दुनिया से फिलहाल कट गया है, यही हालत जनपद की सड़कों का भी है, बारिश के चलते जहां बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग भनेरपानी इस कारण जोशीमठ ब्लॉक में विद्युत प्रभावित है।और पागलनाला में अवरुद्ध है। प्रशासन द्वारा मार्ग सुचारु हेतु मशीनरी लगायी गयीं है।

फायर सर्विस ने 35 व्यक्तियो का रेस्क्यू कर सुरक्षित बचाया गया

जसपुर। मौसम विभाग की चेतावनी के चलते प्रदेश में पहाड़ों पर लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से मैदानी क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा करने लगा है पहाड़ों पर हो रही बारिश से मैदानी क्षेत्र के नदी नाले उफान पर है जिसके चलते जसपुर क्षेत्र की ढेला नदी से क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात पैदा होते नजर आए। जिस पर फायर स्टेशन जसपुर में रेस्क्यू की सूचना पर फायर सर्विस रेस्क्यू टीम, एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम व स्थानीय पुलिस रेस्क्यू टीम के द्वारा बाढ़ प्रभावित संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर अलग अलग स्थानों से 35 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित नदी पार कराया गया। बता दें कि जसपुर क्षेत्र के अंतर्गत थाना कुंडा, ग्राम-गढीनेगी तहसील जसपुर क्षेत्र में एक व्यक्ति जयप्रकाश पुत्र श्री लीला सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी उपरोक्त जो कि पशुओं के लिए चारा (हरी घास) काटने नदी क्षेत्र में गया हुआ था। विगत रात्रि पर्वतीय क्षेत्र में अत्यधिक बारिश होने के कारण ढेला नदी का जलस्तर अचानक से बढ़ गया, जिस कारण उक्त व्यक्ति नदी के मध्य भाग में ही फंस गया था। गनीमत यह रही कि उक्त व्यक्ति ने एक पेड़ पर चढ़कर अपनी जान तो बचा ली परंतु नदी के मध्य भाग ही फंसा रहा। फायर रेस्क्यू टीम, एसडीआरएफ टीम, स्थानीय पुलिस टीम द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उक्त व्यक्ति को कड़ी मशक्कत के सुरक्षित नदी से बाहर निकला गया। वहीं फायर स्टेशन जसपुर में दोपहर के समय रेस्क्यू की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर फायर रेस्क्यू टीम घटनास्थल पहुंची। पहुंच कर देखा तो ग्राम हाजीरो - फॉर्म जसपुर के अंतर्गत फीका नदी का जलस्तर अचानक अत्यधिक बढ़ा हुआ था जिसमें स्कूली बच्चे व ग्रामीण फंसे हुए थे। रेस्क्यू टीमों द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर कि 21 स्कूली बच्चे, 02 महिलाएं व 11 पुरुष कल 34 लोगों को रेस्क्यू कर सकुशल नदी पार कराया गया। दोनों रेस्क्यू की घटनाओं में श्याम बहादुर थापा, संदीप कुमार असनावडे, भूपेंद्र सिंह, शाहबाज अली, बालम सिंह फायर रेस्क्यू टीम जसपुर द्वारा संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर 35 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित बचाया गया।

हंगामा: पार्षद पर बुजुर्ग से मारपीट का आरोप, कोतवाली में भी भिड़े दोनों पक्ष

रूड़की। रुड़की में भाजपा पार्षद पर मारपीट का आरोप लगते ही माहौल गरमा गया। बुजुर्ग से मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद मामला इतना तूल पकड़ गया कि दोनों पक्ष कोतवाली जा पहुंचे, लेकिन मामला थमा नही बल्कि कोतवाली में ही दोनों गुट आमने-सामने आ गए। पूरा मामला सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के सत्ती मोहल्ले का है। यहां भाजपा पार्षद शिवम अग्रवाल पर आरोप है कि उन्होंने एक बुजुर्ग के साथ मारपीट की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके कुछ ही देर बाद बुजुर्ग के परिजन आक्रोशित हो गए और पार्षद के प्रतिष्ठान पर जा धमके। आरोप है कि उन्होंने पार्षद और उनके पिता मनोज अग्रवाल से मारपीट की और वहां जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान पथराव की भी सूचना मिली। तनाव बढ़ता देख काफी संख्या में व्यापारी मौके पर इकट्ठा हो गए और मामला कोतवाली पहुंच गया, लेकिन यहां भी स्थिति शांत नहीं हुई। दोनों पक्ष बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ पहुंचे और पुलिसकर्मियों के सामने ही आपस में भिड़ गए। वहीं भाजपा पार्षद ने एक पुलिसकर्मी पर भी मारपीट का आरोप जड़ दिया। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ता भड़क गए। हंगामा बढ़ता देख मौके पर एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल पहुंचे और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया। फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कर दिया है और कोतवाली में वार्ता जारी है लेकिन सवाल यह है कि जब कोतवाली जैसे सुरक्षित स्थान पर ही मारपीट हो सकती है तो फिर बाहर आम लोगों की सुरक्षा कितनी खतरे में है? एसपी देहात का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद ही दोषियों पर कार्रवाई होगी।

शाह ने सरदार बाग का किया उद्घाटन

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के अहमदाबाद में टोरेंट समूह की धर्मार्थ शाखा, यूएनएम फाउंडेशन द्वारा विकसित और प्रबंधित नवनिर्मित सरदार बाग का रविवार को उद्घाटन कर नागरिकों को समर्पित किया।

प्राकृतिक वैभव की विरासत को पुनर्जीवित करते इस उद्यान का उद्घाटन राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री ऋषिकेशभाई पटेल, अहमदाबाद शहर की महापौर प्रतिभाबेन जैन, टोरेंट समूह के मानद अध्यक्ष सुधीर मेहता, टोरेंट पावर के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जिनल मेहता, संसद सदस्य हसमुखभाई पटेल, विधायकों, अहमदाबाद नगर निगम के नगर आयुक्त बंछानिधि पाणि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ। 15वीं शताब्दी के शाही किले की भव्यता का एक हिस्सा रहे सरदार बाग का यूएनएम फाउंडेशन की प्रतिति पहल के तहत नवीनीकरण किया गया है। इसके साथ ही, अहमदाबाद में प्रतिति पहल के तहत तैयार किए गए

शहर की हरियाली में वृद्धि करने वाले उद्यानों की संख्या 11 तक पहुँच गई है। सरदार बाग का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है, क्योंकि स्वतंत्रता के पूर्व काल में सरदार बाग में कई प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों की सभाएँ आयोजित की जाती थीं।

कभी फलों और फूलों से लदे पेड़ों/पौधों से समृद्ध यह उद्यान पिछले कुछ दशकों में वीरान हो गया था। आज प्रतिति पहल के तहत किए गए नवीनीकरण और संरक्षण प्रयासों से यह उद्यान फिर से हरियाली से खिल उठा है। उद्यान के ऐतिहासिक महत्व और पर्यावरण संरक्षण, दोनों को ध्यान में रखते हुए इस उद्यान का नवीनीकरण बहुत ही बारीकी से किया गया है। पुनर्निर्मित सरदार बाग का कुल क्षेत्रफल 26010 वर्ग मीटर है और यह अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के सेंट्रल जोन के अंतर्गत आने वाले जमालपुर वार्ड में लाल दरवाजा, पुराने रूपाली सिनेमा के सामने स्थित है। इस पुनर्निर्मित उद्यान को शहर की सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व को बहाल करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, साथ ही नागरिकों की विभिन्न आवश्यकताओं और सुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है। उद्यान की मुख्य विशेषताओं में व्हीलचेयर-सुलभ रैंप वाला एक बड़ा प्रवेश द्वार, जॉगिंग और रनिंग के लिए 1.5 किलोमीटर लंबा छरु पथ। यह ईंटों से बना छरु पथ घुटनों के लिए उपयुक्त है और पानी के बहाव को सुगम बनाता है, मौसम-रोधी उपकरणों से युक्त एक ओपन जिम, सुरक्षित और मनोरंजक खेल उपकरणों से सुसज्जित बच्चों का खेल क्षेत्र, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए 150 सीटों वाला एक खुला और अंडाकार एम्फीथिएटर, बैठने की व्यवस्था वाले आठ जलाशय, जो आराम करने के लिए एक सुखद और शांतिपूर्ण स्थान प्रदान करते हैं, वर्षा जल संचयन और भूजल संरक्षण के लिए रिचार्ज कुएँ और व्हीलचेयर पहुँच के साथ पूरी तरह हवादार और स्वच्छ शौचालय, साथ ही विकलांगों के लिए एक अलग ब्लॉक और पेयजल सुविधाएँ शामिल हैं। अहमदाबाद की गुलाब इत्र उत्पादन की विरासत को प्रदर्शित करता एक गुलाब उद्यान है जहां 195 मौजूदा पेड़ों के संरक्षीत करने के साथ 65 प्रजातियों के 630 से अधिक नए पेड़ लगाए गए हैं, जो पक्षियों को आश्रय प्रदान करने, वायु गुणवत्ता में सुधार लाने और स्थानीय जैव विविधता को बनाए रखने की प्राथमिकता के आधार पर चुने गए है। तितलियों और मधुमक्खियों को आकर्षित करने के लिए 190 प्रजातियों के 75,000 से अधिक झाड़ियाँ, बाँस और घास लगाए गए हैं।

एक नजर

खटीमा गोलीकांड के शहीदों को सीएम धामी ने दी श्रद्धांजलि

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य निर्माण में अपने प्राणों की आहुति देने वाले राज्य आंदोलनकारियों के बलिदान को प्रदेश हमेशा याद रखेगा। राज्य सरकार शहीद आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप राज्य के समग्र विकास के लिए संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास को और अधिक गति प्रदान करने के लिए रोजगार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य क्षेत्रों के विकास में प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य निर्माण में अपने प्राणों की आहुति देने वाले राज्य आन्दोलनकारियों के बलिदान को प्रदेश हमेशा याद रखेगा।

गोला-बारूद समेत जखीरा जब्त

चम्फाई। असम राइफल्स ने चम्फाई जिले के सैकुम्फाई गांव और उसके आसपास तलाशी अभियान चलाकर भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार जब्त किए। तलाशी अभियान के दौरान टीम ने घर से एक 12 बोर राइफल, एक पिस्तौल, गोला-बारूद और विस्फोटक, ग्रेनेड और जंग लडने सरीखा असलहा जब्त किया। खुफिया जानकारी के आधार पर टीम ने घर के पास के जंगल में छिपे हुए भंडार का पता लगाया, जिसमें बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और अन्य युद्ध संबंधी सामान थे। बयान में कहा गया कि इस जखीरे में एक हेकलर और कोच जी3 असॉल्ट राइफल, दो स्प्रिंगफील्ड स्नाइपर राइफल, दो शॉटगन, एक एमए असॉल्ट राइफल और दो हैंड ग्रेनेड शामिल हैं।

पंजाब के 1000 से ज्यादा गांवों में बाढ़

पठानकोट। पंजाब के आठ जिलों में भारी बारिश के बाद 1018 गांवों में बाढ़ की स्थिति है। बाढ़-बारिश में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। 11 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया है रावी नदी का जलस्तर बढने से गुरदासपुर के घोनेवाले में धुस्सी बांध टूट गया। इसके चलते पानी करीब 15 किलोमीटर दूर अजनाला शहर तक पहुंच गया। बाढ़ की वजह से 80 गांव पानी में डूबे हैं। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। एक महिला लापता है। कटरा में वैष्णो देवी यात्रा 6 दिन से रुकी है।

पुंछ में 2 आतंकी गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों को एक बार फिर 2 आतंकियों को पकडने में सफलता मिली है। रविवार को जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में 2 आतंकी गिरफ्तार हुए हैं। मुखबिर की सूचना के आधार पर छापा मारकर सुरक्षा बलों और स्टेट पुलिस ने दोनों आतंकियों को पकड़ा। अधिकारियों ने बताया कि छापामारी के दौरान आजमाबाद के तारिक शेख और चैंबर गांव के रियाज अहमद को हिरासत में लिया गया। उनकी निशानदेही पर दो असॉल्ट राइफलें और कुछ गोला-बारूद बरामद किया गया। पुलिस ने आजमाबाद स्थित शेख के घर पर छापा मारा और उसे उसके साथी अहमद के साथ गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों से पूछताछ के बाद, पुलिस टीम ने जलियां गांव में शेख के किराए के मकान पर छापा मारा और हथियार जब्त कर लिए।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 7 की मौत

लखनऊ। एक भीषण हादसा हुआ है। पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट होने से 7 लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आ रही है। वहीं कई लोग घायल हुए हैं। अब भी कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और राहत बचाव दल मौके पर पहुंचक रेस्क्यू अभियान चला रहे हैं। मौत का आंकड़ा बढने की आशंका जताई जा रही है। बता दें कि गुडंबा के बेहटा गांव में अवैध पटाखा फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। जहां जोरदार विस्फोट हुआ है। विस्फोट इतना भयानक था कि इलाका गूंज उठा। धमाके की आवाज सुनते ही लोगों के बीच अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। अब तक घटना में 7 लोगों के जान जाने की जानकारी सामने आई है। कई अब भी मलबे में दबे हैं, जिनका रेस्क्यू किया जा रहा है। वहीं घटना को लेकर सीएम योगी ने दुख जताया है और अपनी संवेदना व्यक्त की है।

मराठा आरक्षण : आरक्षण मिलने तक जारी रहेगा अनशन

आज से पानी भी छोड़ देंगे मनोज जरांगे

मुंबई। मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने मराठा समुदाय को ओबीसी वर्ग के आधार पर आरक्षण देने की मांग को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में शुक्रवार को भूख हड़ताल शुरू की। आज उनकी भूख हड़ताल का तीसरा दिन है। जिसके बाद उनकी तबियत भी बिगड़ गई। इस बीच अब मनोज जरांगे ने यह कह दिया कि वो पानी तक नहीं पियेंगे। जरांगे पाटिल ने 29 अगस्त से अनाज का सेवन बंद कर दिया था और वो केवल पानी पर निर्भर थे, लेकिन अब सोमवार से वो पानी पीना भी बंद कर देंगे। मनोज जरांगे अपना आमरण अनशन जारी रखेंगे। मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि सोमवार से में बिना पानी अनशन करूंगा। अनाज तो मैंने उसी दिन से छोड़ दिया था जब से मैं आजाद मैदान में आया हूं। आप सभी शांति बनाए रखें। किसी भी प्रकार का हंगामा या उपद्रव न करें। मैं आप सभी को भरोसा दिलाता हूं कि जब तक हमें आरक्षण नहीं मिलता तब तक मैं आजाद मैदान को नहीं छोडूंगा। लेकिन हमारी यह लड़ाई पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहेगी। किसी भी तरह की पत्थरबाजी या हिंसा नहीं होनी चाहिए। आम मुंबई की जनता को कोई परेशानी नहीं पहुंचनी चाहिए।

भोजन के लिए किसी को भी पैसे न दें। जो भी खाना बांट रहे हैं उनको पैसे मत दो। खाना हमारे समाज के लोग उपलब्ध करा रहे हैं। कोई अगर छतरी या रेनकोट बांट रहा हो तो उसे मत लो, हमें रेनकोट और छतरी की कोई गरज नहीं हैं।

एक नजर

महुआ मोइत्रा के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, महुआ मोइत्रा ने कहा था कि अगर शाह अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ को रोकने में विफल हैं तो उनका ÷सिर कट जाना चाहिए।÷ एएनआई मना कैंप पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 और 197 के तहत दर्ज की गई है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में महुआ मोइत्रा कथित तौर पर कहती नजर आईं कि शाह बार-बार घुसपैठियों की बात करते रहते हैं, जबकि सीमा की सुरक्षा गृह मंत्रालय के अधीन आने वाले सुरक्षा बलों द्वारा की जाती है। उन्होंने कहा, वो (अमित शाह) बार-बार घुसपैठियों, घुसपैठियों, घुसपैठियों की बात कर रहे हैं। सीमा सुरक्षा बलों के हाथ में है जो गृह मंत्रालय के अधीन आते हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मांग की कि अगर वह महुआ मोइत्रा की कथित टिप्पणी से सहमत नहीं हैं, तो सांसद के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि ममता बनर्जी देश के प्रति माफी मांगें।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए सांसदों को डिनर पर बुलाया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को मतदान होना है। मतदान से ठीक एक दिन पहले आठ सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए के सभी सांसदों को डिनर पर बुलाया है। इसके जरिए एनडीए की एकजुटता और मजबूती का संदेश दिया जाएगा। इस चुनाव के लिए एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल और तमिलनाडु के वरिष्ठ नेता सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है और उनकी जीत लगभग तय मानी जा रही है।

एनडीए ने अपने उम्मीदवार को जीत दिलाने के लिए विशेष तैयारी की है। इसके लिए सांसदों को तीन दिनों तक प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए सभी एनडीए सांसदों को छह से आठ सितंबर तक दिल्ली में रहना होगा। प्रशिक्षण शिविर में अन्य बातों के अलावा यह भी बता जाएगा कि मतदान कैसे करना है। उपराष्ट्रपति चुनाव में गुप्त मतदान होता है और व्हिप लागू नहीं होता है। ऐसे में एनडीए यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वोट डालने में कोई खामी न रहे। एनडीए की कोशिश है कि राधाकृष्णन बड़े अंतर से उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जीतें। इसके लिए ऐसे विपक्षी दलों से संपर्क किया गया है, जो इंडिया गठबंधन में नहीं हैं। उम्मीद की जा रही है कि बीजेडी, वायएसआरसीपी और बीआरएस जैसे दलों का एनडीए उम्मीदवार को समर्थन मिल सकता है।

यह मॉनसूनी वर्षा का अच्छा साल, सितंबर में भी इसी तरह जबरदस्त बरसात के संकेत - भारतीय मौसम विभाग

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग का कहना है कि मॉनसून की अभी वापसी के संकेत नहीं है। यह मॉनसूनी वर्षा का अच्छा साल है और सितंबर में भी इसी तरह जबरदस्त बरसात के संकेत हैं। सामान्यतया सितंबर के मध्य में मॉनसून की वापसी शुरू होने लगती है और अक्टूबर की शुरुआत तक इसका प्रभाव खत्म हो जाता है, लेकिन इस बार ऐसा अभी नहीं कहा जा सकता। लिहाजा 15 सितंबर के बाद ही मौसम विभाग डेटा का आकलन कर ये बता सकेगा कि मॉनसून की सक्रियता कब खत्म होगी। सामान्यतया 1 सितंबर को राज्य के हिस्से से मॉनसून की वापसी होने लगती है, लेकिन इस बार इसकी संभावित तारीख 17 सितंबर है। ऐसे में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब-हरियाणा, उत्तराखंड, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में सितंबर के महीने में भी अच्छी खासी बारिश देखने को मिल सकती है। 1980 के बाद से कुछ वर्षों को छोड़ दें तो एक नया ट्रेंड देखा जा रहा है, जब अगस्त के दूसरे पखवाड़े और सितंबर में ज्यादा बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कहा कि सितंबर में भी वर्षा का अनुमान का सामान्य से 109 प्रतिशत तक हो सकता है। ऐसे में सितंबर में भी देश के अधिकांश हिस्सों में मॉनसून सक्रिय रहेगा।

हिमाचल प्रदेश के कई जिलों के लिए जारी हुआ रेड अलर्ट, भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में बरसात का कहर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर मौसम विभाग ने प्रदेश के लिए अलर्ट जारी कर दिए हैं। हिमाचल में पांच जगह बादल फटने से कई घरों, वाहनों और सेब बगीचों को भारी नुकसान हुआ है। कुल्लू के हिड़व, शरची व बशला, रामपुर में ज्यूरी के बधाल और चंबा के चुराह में बादल फटे हैं। रामपुर के 12 से 20 क्षेत्र में भूस्खलन से पांच घर क्षतिग्रस्त हो गए। यहां मलबे में दबने से पिता-पुत्र घायल हुए हैं। शनिवार को मणिमहेश यात्रा मार्ग पर फंसे 6,000 श्रद्धालुओं को रेस्क्यू कर सरकारी, निजी वाहनों से उनके घर भेजा गया। हिमाचल प्रदेश में 3 नेशनल हाइवे के साथ 822 सड़कें बंद हैं। 1236 बिजली ट्रांसफार्मर और 424 पेयजल योजनाएं ठप हैं। एसईओसी के आंकड़ों के अनुसार, इस मानसून में राज्य को 3,042 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है और बारिश से जुड़ी घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में 320 लोगों की मौत हो चुकी है। 4,041 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। 20 जून से 30 अगस्त तक मानसून की शुरुआत के बाद से राज्य में 91 बार अचानक बाढ़, 45 बार बादल फटने और 93 बड़े भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं।

खेल दुनिया में जम्मू -कश्मीर को मिली पहचानः मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि बाढ़ और तबाही की घटनाओं के बीच जम्मू -कश्मीर में हाल में खेलों के दो बड़े आयोजन हुए हैं जिन्होंने राज्य को खेलों की दुनिया में नयी पहचान दी है।

श्री मोदी ने आकाशवाणी से रविवार को प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 125वीं कड़ी में कहा बाढ़ और बारिश की इस तबाही के बीच जम्मू-कश्मीर ने दो बहुत खास उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इन पर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं गया लेकिन जब इन उपलब्धियों के बारे में जानेंगे तो बहुत खुशी होगी। राज्य के पुलवामा के एक स्टेडियम में पुलवामा का पहला डे नाइट क्रिकेट मैच खेला गया जिसमें रिकॉर्ड संख्या में लोग एकत्रित हुए। पहले ऐसा होना असंभव था लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है। ये मैच 'रॉयल प्रीमियर लीग' का हिस्सा है, जिसमें जम्मू-कश्मीर की अलग-अलग टीमें खेल रही हैं। इतने सारे लोग, खासकर युवा, पुलवामा में रात के समय, हजारों की तादाद में क्रिकेट का आनंद लेते दिखें-ये नजारा वाकई देखने लायक था।

श्री मोदी ने राज्य के एक और खेल आयोजन का जिक्र करते हुए कहा दूसरा आयोजन जिसने ध्यान खींचा, वो है देश में हुआ पहला ' खेलो इंडिया जल स्पोर्ट्स उत्सव' और वो भी श्रीनगर की डल झील पर हुआ। सचमुच, ऐसा उत्सव आयोजित करने के लिए ये कितनी खास जगह है। इसका उद्देश्य है जम्मू-कश्मीर में जल क्रीड़ा को और लोकप्रिय बनाना है। इसमें पूरे भारत से 800 से अधिक एथलीटों ने हिस्सा लिया। महिला एथलीट भी पीछे नहीं रही और इसमें उनकी भागीदारी भी लगभग पुरुषों के बराबर थी। मैं उन सभी खिलाड़ियों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने इसमें भाग लिया। विशेष बधाई मध्य प्रदेश को, जिसने सबसे ज्यादा मेडल जीते, उसके बाद हरियाणा और ओडिशा का स्थान रहा। जम्मू-कश्मीर की सरकार और वहाँ की जनता की आत्मीयता और मेहमान नवाजी की मैं भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस खेल उत्सव का अनुभव लोगों तक पहुंचाने के लिए उन्होंने ऐसे दो खिलाड़ियों से बात की जिन्होंने इसमें हिस्सा लिया, उनमें से एक हैं ओडिशा की रश्मिता साहू और दूसरे हैं श्रीनगर के मोहसिन अली। मोदी से बातचीत करते हुए रश्मिता साहू ने कहा ÷मैं कैनोइंग प्लेयर हूँ। मैं 2017 से कैनोइंग शुरू किया था और मैंने राष्ट्रीय स्तर में, नेशनल चैंपियनशिप और नेशनल गेम्स में हिस्सा लिया है। मेरे पास 41 मेडल्स है जिनमें 13 स्वर्ण पदक, 14 रजत और 14 कांस्य पदक हैं। मैं जिस गाँव से आती हूँ उसमें खेल की कोई सुविधा नहीं है। नदी में बोटिंग करते कैनोइंग के बारे में पता चला था तो मैं जगतपुर में भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र गई और खेल से जुड़ी। मैं पहली बार कश्मीर गई थी। वहां खेलो इंडिया, पहले खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स आयोजित किया गया था। उसमें मेरे दो इवेंट थे और मैंने दोनों में गोल्ड मेडल हासिल किए हैं 7 मैं सब बच्चों से यही कहूंगी कि खेल को छोड़ो मत, खेल से बहुत आगे जा सकते हैं। खिलाड़ी मोहसिन अली ने श्री मोदी से कहा, ÷मैंने गोल्ड मेडल जीता। कश्मीर में यह खेल पहली बार हुआ है । मेरी पूरी फैमिली खुश है। स्कूल वाले भी सब खुश हैं, कश्मीर में सब बोलते हैं आप गोल्ड मेडलिस्ट हो। मैं भोपाल, गोआ, केरल और हिमाचल में गया हूं। मेरा ड्रीम देश के लिए ओलंपिक में मेडल जीतना है।

भारत दुनिया के श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में खड़ा हो रहा है : दत्तात्रेय होसबाले

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को यहां कहा कि भारत करवट ले रहा है और दुनिया के श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में खड़ा हो रहा है।

वह राष्ट्र निर्माण में दरभंगा राज के अध्यात्मिक और सांस्कृतिक योगदान पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर %राज दरभंगा - धर्म संरक्षण से लेकर लोक कल्याण तक पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

होसबाले ने कहा कि विदेश के इतिहासकारों ने इस मिथ को स्थापित किया कि राजा मौज-मस्ती और विलासिता में डूबा रहता है, लेकिन हमारे देश में राजा को लोक कल्याण के कार्यों के साथ उच्च मानक स्थापित करने वाले के तौर पर देखा गया। उन्होंने कहा कि भारत में राजा को देवता माना गया जो प्रजा के लिए समान भाव के साथ मर्यादा का पालन करते थे। हमारे देश में प्रभु श्रीराम, राजा दशरथ, राजा हरिश्चंद्र, राजा भगीरथ ने लोक कल्याण और मर्यादा के प्रतिमान स्थापित किए।

श्री होसबाले ने मिथिला के स्वर्णिम इतिहास और परंपरा पर चर्चा करते हुए कहा कि सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा और लोक कल्याण के क्षेत्र में लंबी फेहरिस्त है। उन्होंने इस अवसर पर दरंभगा राजघराने के कुमार अरिहंत को 18वें जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि दरभंगा के राजा ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए देश में विभिन्न स्थानों पर सम्मेलन का भी आयोजन किया था और विश्व हिंदू परिषद की स्थापना में भी आगे बढ़कर मदद की थी। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में कई आधुनिक संस्थानों की स्थापना के साथ काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना में शुरूआती पांच लाख की राशि दी थी। उन्होंने मदन मोहन मालवीय जी के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के लिए एक करोड़ से अधिक की धनराशि का प्रबंध कराया था।

इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जब मैं पहली बार 2014-2015 में दरभंगा पहुंचा तो वहां के स्थापत्य, कला और साहित्य से अभिभूत हो गया। उन्होंने मिथिला की धरती और दरभंगा राजघराने को इतिहास की बेमिसाल धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि मिथिला की धरती राजा जनक और माता सीता के साथ गार्गी और याज्ञवल्क्य संवाद की भी साक्षी रही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मिथिला की धरती मधुबनी पेंटिंग, ध्रुपद परंपरा को पुष्पित और पल्लवित किया है। उन्होंने भारतीय मूल तत्वों को सामाजिक और आधुनिकता के साथ जोड़ने की अपील करते हुए कहा कि मिथिला सांस्कृतिक परंपरा में ऐसे तत्व विद्यमान हैं जिस पर भारत को गर्व है। इस अवसर पर गुजरात से आए नौतन स्वामी और दरभंगा राजघराने की तरफ से श्री कपिलेश्वर सिंह और श्रीमति कविता सिंह भी मौजूद थीं।

ईडी ने करीब 697 करोड़ रुपये से जुड़े घोटाले में अमित अग्रवाल को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को कहा कि उन्होंने देश से 696.69 करोड़ रुपये की अवैध हेराफेरी से जुड़े धन शोधन के एक बड़े मामले में कथित प्रमुख संचालक अमित अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार के बाद आरोपी को पीएमएलए अदालत के सामने पेश किया गया, जहां उसे सात दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया। यह गिरफ्तारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच से जुड़ी है।

ईडी की पीएमएलए जांच दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज एक एफआईआर के आधार पर शुरू हुई है।

एफआईआर में किंजल फ्रेट फॉरवर्डिंग (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड और उसके सहयोगियों पर भारतीय दंड संहिता 1860 के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र समेत गंभीर अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। शुरुआती आरोप था कि चार्टर्ड अकाउंटेंट विकास मोहपाल ने अपने प्रमाण-पत्रों का गलत इस्तेमाल कर अहम दस्तावेज फॉर्म 15सीए और 15सीबी की जालसाजी की, जो विदेशी धन प्रेषण को अधिकृत करने के लिए आयकर विभाग द्वारा जरूरी थे। जांच में सामने आया कि आरोपी संस्थाओं ने माल, सेवाओं और माल ढुलाई शुल्क के आयात के भुगतान के नाम पर धोखाधड़ी कर हांगकांग और सिंगापुर में 696.69 करोड़ रुपये भेजे। हालांकि इनमें से ज़्यादातर लेन-देन में भारत को कभी कोई सामान या सेवा नहीं दी गई। इससे देश को विदेशी मुद्रा का भारी नुकसान हुआ।

संस्थाओं के मालिकों ने इस घोटाले को अंजाम देने के लिए एक जटिल नेटवर्क वाली शेल कंपनियां बनाई। इन कंपनियों के बैंक खाते खोलने के लिए निदेशक और साझेदारों के सभी पहचान पत्र फर्जी इस्तेमाल किए गए। इस कार्यप्रणाली में नकदी के बदले में इन खातों में फर्जी जमा प्रविष्टियां दर्ज की गई। इसके बाद, फर्जी एयरवे बिल, चालान तथा महत्वपूर्ण जाली फॉर्म 15सीबी प्रमाणपत्र जैसे जाली दस्तावेजों का उपयोग करके धनराशि को अवैध रूप से भारत के बाहर भेजा गया।

ईडी ने अपनी जांच में अमित अग्रवाल को इस ऑपरेशन के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक बताया। उन पर फर्जी संस्थाओं का जाल बिछाने, जाली पहचान पत्रों का उपयोग करके बैंक खाते खोलने और नकद-आधारित जमा प्रविष्टियों की व्यवस्था करने में अहम भूमिका निभाने का आरोप है, जिससे बड़े पैमाने पर धन विदेश भेजा जा सका।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन-249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई- www.pathpravah.com